तापमान
अधिकतम 45 .3 डिग्री
न्यूनतम 23 .8 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 19 मई 2025

11 गुरु गोरखनाथ प्रकट समारोह में 100 लॉरी भेजने से यात्री बेबस

12 परीक्षाओं के परिणाम को लेकर शिक्षकों की वेतन कटौती गलत

गुरु गोरखनाथ जी के प्रकटोत्सव पर राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन

संतों महापुरुषों की शिक्षाएं मानव समाज की धरोहर, उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

भारत को ऋषि-मुनियों, संत महात्माओं एवं पीर-पैगम्बरों की भूमि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक संत-महात्माओं ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया है। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। वर्ष 2014 में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा सरकार ने 'संत-महापुरुष सम्मान विचार एवं प्रसार योजना' शुरू की। आज गुरु गोरखनाथ जी के प्रकटोत्सव पर राज्यस्तरीय समारोह का यह आयोजन भी इसी योजना के तहत किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा: मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी ने योग विद्या को घर-घर पहुंचाया था। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग का प्रचार विश्वभर में करने का बीड़ा उठाया। उनके प्रयासों से वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। आज दुनियाभर के देश योग को आदर्श मानते हैं।

हमने हरियाणा में नई पीढ़ी को योग प्रशिक्षण व योग साधना के लिए प्रेरित किया है। शैक्षणिक सत्र-2022-23 से पहली से 10वीं कक्षा तक योग शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया गया है। प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी योग सिखाया जा रहा है।

सोनीपत। राज्यस्तरीय समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्री गुरु गोरखनाथ जी को पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिव्यांग को इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल भेंट करते हुए, साथ में हैं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक व अन्य।

सर्वजातीय महापुरुषों की जयंतियों को मनाने से समाज में बढ़ रहा भाईचारा: डॉ. अरविंद शर्मा

विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि संतों महापुरुषों की जयंती सरकार द्वारा मनाने की परम्परा हमारी सरकार ने शुरू की है। इसी कड़ी में आज का यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी भगवान शिव के रूप थे। उन्होंने योग को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच है कि हर व्यक्ति को उसका हिस्सा मिलना चाहिए और इसी सोच के साथ इन्होंने समाज के हर वर्ग को बराबरी का हक दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से सर्वजातीय महापुरुषों की जयंतियों को मनाया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में 36 बिरादरी शामिल होती हैं, जिससे भाईचारा बढ़ता है।

हरियाणा ऐसा प्रदेश बना है, जहां गरीब आदमी महसूस करता है कि ये राज्य और मुख्यमंत्री मेरा है: कौशिक

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक ने कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आज हरियाणा ऐसा प्रदेश बना है, जहाँ गरीब आदमी महसूस करता है कि ये राज्य मेरा है, ये मुख्यमंत्री मेरा है। मुख्यमंत्री 24 घंटे लोगों की बात सुनने के लिए तैयार रहते हैं। सरकार की प्रत्येक योजना गरीब के घर तक पहुंचे, इसी ध्येय के साथ हरियाणा सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में हरियाणा कई मामलों में नंबर वन प्रदेश बना है। उन्होंने गुरु गोरखनाथ जी के प्रकटोत्सव के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं।

गुरु गोरखनाथ जी तप, त्याग, योग और साधना का प्रतीक: मदान

समारोह में विधायक निखिल मदान ने शगुरु गोरखनाथ जी को नमन किया और उन्हें तप, त्याग, योग और साधना का प्रतीक बताते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी ने पूरे भारत का भ्रमण किया, सनातन संस्कृति का प्रचार करते हुए ग्रंथों की रचना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा हर समाज, हर जाति के महापुरुषों का सम्मान किया जा रहा है। हरियाणा के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि सरकार महापुरुषों के जन्म जयंती उत्सवों को राज्य स्तर पर मना रही है। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इंडियन ऑयल के सीएसआर फंड से दी गई 100 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल में से 30 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल दिव्यांगजनों को वितरित की। समारोह में विधायक कृष्णा गहलौत, देवेंद्र कादियान, पवन खरखौदा, मेयर सोनीपत राजीव जैन आदि मौजूद रहे।

सभी बिरादरी के लोग आगे बढ़ें

नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी ने सम्प्रदाय, जाति, मत, पंथ आदि किसी भी आधार पर भेदभाव न करने की शिक्षा दी थी। इसी के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की नीति पर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि सभी बिरादरी के लोग, सभी जातियों के लोग आगे बढ़ें, सभी का उत्थान हो और सभी को समाज में बराबर के हक मिलें। हम सबके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलंबन सुनिश्चित करने का काम कर रहे हैं।

सोनीपत। मुंडलाना और शामड़ी की पेयजल आपूर्ति की परियोजना का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री साथ में मंत्री, प्रदेशाध्यक्ष व मेयर। फोटो : हरिभूमि

104 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन

- मुख्यमंत्री ने की घोषणा, शहर में किसी एक चौक का नाम रखा जाएगा गुरु गोरखनाथ के नाम पर

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

नई अनाज मंडी में आयोजित किए गए गुरु गोरखनाथ प्रकटोत्सव के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिले में 100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। सभी परियोजनाएं पेयजल संबंधित थी। सीएम ने 104 करोड़ रुपये की गन्नौर, गोहाना व खरखौदा में तीन जल परियोजाओं का शिलान्यास किया तो एक का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार परियोजनाओं से पेयजल की किल्लत दूर हो सकेगी। परियोजनाओं पर 104 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत आएगी। इनमें 84.82 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 19.23 करोड़ रुपये की परियोजना का उद्घाटन शामिल है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जोगी समाज की मांग पर मंच से घोषणा की कि शहर के किसी एक चौक का नाम गुरु गोरखनाथ के नाम पर होगा। इसके लिए उन्होंने डीसी डॉ. मनोज कुमार को शीघ्रता से कार्य करने को कहा। मुख्यमंत्री ने जिले की जोगी धर्मशालाओं की मरम्मत करने के लिए भी धनराशि देने की घोषणा की।

इन परियोजनाओं का किया शिलान्यास

खरखौदा शहर : अमृत 2.0 योजना के तहत मौजूदा जलापूर्ति योजना को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण और वितरण नेटवर्क बिछाने का काम प्रस्तावित है। इसकी अनुमानित लागत 26.46 करोड़ रुपये है।

गोहाना शहर : अमृत 2.0 के तहत मौजूदा जल योजना को सुदृढ़ करने हेतु कार्य प्रस्तावित है, जिसकी लागत 15.86 करोड़ रुपये है।

गन्नौर शहर : यहां जल आपूर्ति योजना को सशक्त बनाने के लिए 42.50 करोड़ रुपये की परियोजना प्रस्तावित है।

इन परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

मुंडलाना और शामड़ी गांव समूह : चार गांवों की जल आपूर्ति योजना के तहत जेएलएन नहर से कच्चे पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। यह परियोजना अब पूरी हो चुकी है और इसका उद्घाटन सीएम ने किया। इस पर 19.22 करोड़ रुपये लागत आई है।

खरखौदा। निर्माणाधीन शेड का अवलोकन करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

श्मशान घाट में बनाए जा रहे शेड की निर्माण सामग्री पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭खरखौदा

शहर के स्वर्गधाम में इन दिनों नगरपालिका की तरफ से शेड निर्मित किया जा रहा है। जिस पर स्वर्गधाम की देखरेख करने वाली समिति के सदस्यों ने निर्माण सामग्री के गुणवत्ता ठीक नहीं होने की बात कहते हुए आपत्ति जताई है। मामला नपा अध्यक्ष हीरा लाल इंदौरा के पास पहुंचा, तो उन्होंने मामले की जांच कराने की बात कही है।

खरखौदा के शमशान घाट में जहां पर अंतिम संस्कार किया जाता है, उनके ऊपर बने कंक्रीट के शेड जर्जर हो चुके थे, जिस पर नगरपालिका की तरफ से उन्हें हटाकर लोहे का शेड बनाया जा रहा है। श्मशान घाट की देखरेख करने वाली समिति की तरफ से इस निर्माण कार्य पर अपनी आपत्ति दर्ज करते हुए नपा अध्यक्ष हीरा लाल इंदौरा को शिकायत की गई है।

समिति सदस्यों का कहना है कि शेड की एक तरफ ऊंचाई कम है, वहीं जो पाइप शेड खड़ा करने में प्रयोग किए जा रहे हैं वह भी उन्हें गुणवत्ता के हिसाब से ठीक नहीं लग रहे हैं। ऐसे में इसकी जांच की जानी चाहिए। मामले में नपा अध्यक्ष हीरा लाल इंदौरा का कहना है कि शिकायत पर वह न केवल शमशान घाट जाकर आए हैं, बल्कि नपा अधिकारियों को भी कहा है कि वह ठेकेदार को भी बुलाए और निर्माण कार्य को लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, वह मामले की जांच करवाएंगे।

केएमपी पर हुआ सड़क हादसा दो ट्रक चालकों की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭खरखौदा

कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस वे पर मंडोरा गांव के पास हुए हादसे में दो ट्रक चालकों की दर्दनाक मौत हो गई। देर रात हुए हादसे का पता उस दौरान चला जब पीछे से ट्रक चालकों का तीसरा साथी अपने ट्रक को लेकर आया। उन्होंने दोनों ट्रकों को खड़ा देख ट्रक को रोक लिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची खरखौदा थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया और साथी चालक की शिकायत पर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

- पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

उत्तर प्रदेश, जिला अमेठी के गांव खरगीपुर निवासी मनीष पांडे ने बताया कि वह अपने ननिहाल में रहते हैं। गांव खरगीरपुर निवासी अभिषेक व प्रिंस उनके साथ कुंडली ट्रांसपोर्ट की गाड़ियां चलाते थे। शनिवार रात वह अपने-अपने ट्रक में कुंडली से सामान भरकर रेवाड़ी जिला के धारुहेड़ा के लिए निकले थे। मनीष पांडे का कहना है कि चालक अभिषेक व प्रिंस अपने ट्रक लेकर उनसे कुछ पहले निकल गए थे। जब वह केएमपी एक्सप्रेस वे पर गांव मंडोरा के पास पहुंचे तो उन्हें दोनों चालकों की गाड़ियां सड़क पर खड़ी दिखाई दी। उन्हें लगा कि अभिषेक व प्रिंस अपनी-अपनी गाड़ियों की जांच कर रहे होंगे। जिस पर उन्होंने भी अपने ट्रक को रोका और उनके ट्रकों के पास जाकर देखा तो अभिषेक व प्रिंस एक ट्रक के नीचे फंसे हुए थे और दोनों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने पाया कि अभिषेक के ट्रक को किसी वाहन ने पीछे से टक्कर मारी हुई है।

ट्रक के इंडिकेटर भी जल रहे हैं। इसी दौरान केएमपी एक्सप्रेस वे पर पेट्रोलिंग टीम भी पहुंच गई, जिनकी मदद से उन्होंने दोनों के शव बाहर निकलवाए और पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं, मनीष की शिकायत पर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया। अंदेशा है कि दोनों ट्रक में कोई खराबी देखने उतरे होंगे और तभी किसी वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वह अपने ट्रक से कुचले गए।

कार की चपेट में आने से युवक की मौत

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में फैक्ट्री से वापस लौट रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने चपेट में ले लिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उत्तर प्रदेश के जिला कासगंज निवासी ओमकर मौर्या ने बताया कि व परिवार के साथ छह साल से कुंडली कॉलोनी में रहता है। वह निजी कंपनी में नौकरी करता है। उसका लड़का सौरभ व गौरव कंपनी से काम खत्म करके वापस आ रहे थे। वापस आते समय सौरभ ड्रेन नंबर आठ के पास सड़क पार करने लगा। एक तेज रफ्तार कार ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में तेज रफ्तार कार ने सौरव को सीधी टक्कर मार दी। सौरव के भाई गौरव ने उसे संभाला। हादसे में सौरव की मौके पर ही मौत हो गई। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जांच अधिकारी एसआई महेंद्र ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द आरोपित को काबू कर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

स्कूलों में कमरों के निर्माण से लेकर, गली निर्माण व सीवर लाइन आदि कार्य होंगे शहर में

विकास कार्यों के लिए डी प्लान के तहत खर्च होंगे ढाई करोड़

- लोक निर्माण विभाग भी 2 करोड़ की लागत से सड़कों का करेगा सौंदर्यीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

पिछले साल का डी प्लान का पैसा लैप्स होने के बाद अब प्रशासन सक्रिय रूप से डी प्लान को अमल में ला रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण शहर में विकास कार्यों के लिये मंजूर किया गया ढाई करोड़ रुपये से मिलता है। नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिये ढाई करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। जिसमें स्कूल के कमरों के निर्माण से लेकर, गली निर्माण, सीवर लाइन आदि कार्य शामिल हैं। वहीं लोक निर्माण विभाग द्वारा भी लगभग 2 करोड़ की लागत से सड़क सौंदर्यीकरण की परियोजनाओं पर काम शुरू किया जाएगा।

बता दें कि डी प्लान रियाणा राज्य सरकार द्वारा चलाया जाने वाला एक विशेष विकास योजना कार्यक्रम है। यह योजना जिला स्तर पर स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों के लिए धन आवंटन और क्रियान्वयन को सक्षम बनाती है। डी-प्लान का उद्देश्य स्थानीय विकास को बढ़ावा देना, जमीनी स्तर पर जरूरतों के अनुसार संसाधन आवंटित करना, पंचायतों, नगर निकायों, और अन्य स्थानीय संस्थाओं को वित्तीय सहायता देना, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, सड़क, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, आदि बुनियादी सुविधाओं का विकास करना। राज्य सरकार द्वारा सालाना बजट में प्रत्येक जिले को एक निश्चित राशि स्वीकृत की जाती है।

यह राशि जिला परिषद, नगर परिषद या नगर निगम जैसे स्थानीय निकायों को विकास कार्यों के लिए दी जाती है।

जल्द जारी होंगे टेंडर

अभी डी प्लान के तहत राशि मंजूर की गई है, जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगें। जिसके बाद काम भी शुरू हो जाएगा।
राजीव जैन, मेयर, नगर निगम, सोनीपत

प्रमुख स्वीकृत विकास कार्य

- मॉडल टाउन संस्कृति मॉडल स्कूल में कमरों के निर्माण हेतु 15-38 लाख
- कन्या महाविद्यालय में शेड निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु 10 लाख
- जटवाड़ा स्थित सरकारी स्कूल में एक हॉल व चार कमरों का निर्माण 20 लाख
- सुभाष स्टेडियम में चल रहे कार्यों को पूर्ण करने हेतु 23-40 लाख
- पटेल नगर में गली निर्माण हेतु 9 लाख
- ककरोई चौक से भूषण बुक डिपो तक टाइल बिछाने हेतु 9 लाख
- सेक्टर 14 में सीवरेज लाइन हेतु 10 लाख
- मशद मोहल्ला में सीवरेज लाइन के लिए 20 लाख
- मुरथल रोड की झूले वाली गली में पानी की पाइप लाइन 10 लाख
- रेलवे पार्क के पास पार्किंग में शेड हेतु 7 लाख
- गांव शाहपुर में गली निर्माण हेतु 12 लाख
- सेक्टर 15 के बड़े पार्क में सोलर लाइट लगाने हेतु 17-24 लाख
- संत कबीर भवन, कालूपुर में हॉल निर्माण हेतु 10 लाख
- देव नगर सरकारी स्कूल में शौचालय निर्माण हेतु 10 लाख
- पुराना शहर, बड़ा बगड़ में गली निर्माण हेतु 8-76 लाख
- जटवाड़ा स्कूल में ट्यूबवेल हेतु 10 लाख
- देवरू गांव में शमशान घाट में शेड हेतु 24-62 लाख
- चार मरला सैनी चौपाल का कार्य पूर्ण करने हेतु 18 लाख
- मायापुरी में सीवरेज व जलापूर्ति पाइप लाइन बदलने हेतु 25 लाख

सड़कें होंगी दुरुस्त, लगेगी नई टाइलें

इसके अतिरिक्त, लोक निर्माण विभाग द्वारा शहर की प्रमुख सड़कों के दोनों ओर लगी टाइलों की मरम्मत और पुनःस्थापना का कार्य भी हाथ में लिया गया है। लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे रोड, एटलस रोड, मुरथल अड्डा चौक से ड्रेन नंबर 6, मुरथल अड्डा से बस स्टैंड, मिशन चौक से कालूपुर चुंगी तथा बड़वासनी से ट्रक यूनियन तक की सड़कों पर टाइल मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

BLISS WELFARE SOCIETY
के सौजन्य से
सौभाग्यशाली जरूरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह।

दिनाक 22.06.2025
ऐसे जरूरतमंद परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ है, वो अपनी स्वेच्छा से अपनी बेटी का रिश्ता तय करके दिए गए नंबर पर जल्द संपर्क कीजिए।
BLISS WELFARE SOCIETY
Agrasen Chowk, Near Bajaj Tiles, Murthal Road, Sonipat
Joney Tyagi (प्रबंधक) Mob.: 9050990408, 9050990407
इसके अलावा संस्था द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं।
1 जुलाई से बुजुर्गों के लिए हरिद्वार, श्याटश्याम, मथुरा, चुलकाना धाम के लिए फ्री बस सुविधा
सरकारी जॉब के लिए कौचिंग फ्री दी जाती है।
छात्र-छात्राओं के लिए फ्री लाईब्रेरी की सुविधा
Agrasen Chowk, Near Bajaj Tiles, Murthal Road Sonipat
Joney Tyagi (Manager) Mob.: 9050990408, 9050990407

भिवानी का सितारा स्मारक

हरियाणा के भिवानी जिले में सितारा स्मारक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है। बताया जाता है कि यह 5वें राधास्वामी गुरु, परम संत तारावंदजी महाराज की समाधि है, जिन्हें 'बड़े महाराज जी' के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक षट्कोणीय संरचना है जो ज़मीन से 6 फीट की ऊँचाई पर तारे के आकार में बनी है और इसकी ऊँचाई 88 फीट है। यह स्मारक किसी खंभे या स्तंभ के बिना खड़ा है, जो इसे वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना बनाता है।

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र चुलकाना धाम

तीर्थस्थल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत भूमि देवताओं के लिए भी दुर्लभ कही गई है तथा देवताओं के द्वारा इसकी वंदना की जाती है। इस देवधरा पर कितने तीर्थ हैं इसकी गणना करना संभव नहीं है, किन्तु भारत के प्रसिद्ध तीर्थों में जिनका नाम आता है उनमें द्वादश ज्योतिर्लिंग, पंचकाशी, पंचनाथ, पंचसरोवर, नौ अरण्यक, चतुर्दश प्रयाग, सप्तक्षेत्र, सप्तगंगा, सप्तपुण्य नदियां सिद्धक्षेत्र (इक्यावन), बावन शक्तिपीठ, पचपन श्राद्ध क्षेत्र, सप्त सरस्वती, सप्तपुरियां, चार धाम आदि जाने कितने ऐसे तीर्थ स्थान हैं। जो अपने-अपने महत्व के कारण जगत प्रसिद्ध हैं।

तीर्थों के संबंध में महाभारत वनपर्व के तीर्थ यात्रा प्रसंग, स्कंध पुराण के माहेश्वर, वैष्णव, ब्रह्म, काशी, अवंती, नागर और प्रभास आदि सभी सातों खण्डों के साथ-साथ वामन पुराण, मत्स्य पुराण, नारद पुराण, ब्रह्म पुराण आदि में विशद् वर्णन प्राप्त होता है। इसी क्रम में हरियाणा के पानीपत जिले के गाँव चुलकाना जो पानीपत से लगभग 25 कि. मी. दूर है, को चुलकाना धाम के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि सतयुग में अपनी तपस्या से विख्यात हुए महर्षि चुनकट की तपोभूमि माने जाने वाले इस स्थान का नाम उनके नाम से ही चुलकाना पड़ा। इस धाम को जहाँ भारतवर्ष की 84 प्राचीन सिद्ध पीठों में शामिल माना जाता है, वहीं यह स्थान श्री श्याम धाम के रूप में सुप्रसिद्ध है। सम्पूर्ण भारत वर्ष में श्री श्याम रूप में आराध्य वीर बर्बरीक उत्तर भारत के अधिकतर क्षेत्रों में कुल देवता भी माने जाते हैं।

वर्तमान में सर्वाधित प्रचलित लोक मान्यता अथवा किंवदंतियों में कहा जाता है कि वीर बर्बरीक की अद्भुत कथा मध्यकालीन महाभारत से आरम्भ होती है। जहां वनवास के दौरान महाबली भीम का

हिडिंबा से विवाह होता है और उन दोनों से एक पुत्र पैदा होता है घटोत्कच, जो महान बलशाली था। वीर घटोत्कच के शास्त्रार्थ की प्रतियोगिता जीतने पर उनका विवाह आज के असम प्रागज्योतिषपुर के राजा दैत्यराज मुर की पुत्री कामकटंककटा से हुआ। उसे मुर की पुत्री होने के कारण 'मोरवी' नाम से भी जाना जाता था। कुछ भगत कामकटंककटा को मोरवी के अलावा अहिलावती भी कहते हैं और वीर बर्बरीक को अहिलावती का लाल कहकर पुकारते हैं। चुलकाना के स्थानीय लोगों में प्रचलित किंवदंतियों के अनुसार जब वीर बर्बरीक कुरुक्षेत्र युद्ध के लिए जाते हुए मार्ग में ब्राह्मण रूपी भगवान श्री कृष्ण से मिलते हैं तो वे उन्हें कहते हैं कि आप कुरुक्षेत्र मत जाइए क्योंकि हम वहां पर आपकी बलि देने की चर्चा सुनकर आ रहे हैं। धर्मराज युधिष्ठिर अपने भाइयों के साथ एक स्त्री जिसे वह महाचंडी के नाम से पुकार रहे थे, के पैरों में पड़े गिड़गिड़ा रहे थे। वह स्त्री बहुत क्रोधित हो कह रही थीं कि मैं सबका विनाश करूंगी, तुम्हें भी खत्म करूंगी। जब धर्मराज युधिष्ठिर ने उनसे विनाश रोकने का उपाय पूछा तो वे देवी कहती हैं कि तुम्हारे पास तीन महाबली हैं अर्जुन, श्रीकृष्ण और वीर बर्बरीक। जिनमें से किसी एक की बलि मुझे दें तो मैं आपको क्षमा कर सकती हूं, तब सभी आपकी बलि देने को राजी हो गए। इसलिए आप कृपया वहां मत जाइये और अपनी शक्ति व्यर्थ न कीजिये। जब भी तीनों लोको में कोई आपातकालीन स्थिति आयेगी तब ही अपनी शक्ति का प्रदर्शन कीजिए। बर्बरीक बोले, अब तो मैं जरूर जाऊंगा। अपने कुल का नाम रोशन करूँगा। जब भगवान की सारी नीतियां व्यर्थ हो गई तो वे बोले, 'ये रास्ता सीधा युद्धभूमि को गया है। आप जाओ और युद्ध देखो, लड़ो।'

बर्बरीक जैसे ही चलने लगे तभी बर्बरीक के मन में भाव आया कि मैंने इन ब्राह्मण को कोई उपहार तो दिया ही नहीं, तब बर्बरीक वापस मुड़े और ब्राह्मण से कहा, 'हे ब्राह्मण देवता, मैं आपको उपहार स्वरूप कोई भेंट देना चाहता हूं। तब ब्राह्मण ने कहा कि क्या आप हमें वो दे सकते हैं जो हम चाहें। बर्बरीक ने वचन दिया कि आप जो मांगेंगे वह वह आपको देने का वचन देता हूँ। तब भगवान ने वचन के बदले बर्बरीक से शीश का दान मांगा। बर्बरीक बोले, हे ब्राह्मण, मैं अपने वचन का पालन जरूर करूंगा, लेकिन आप मुझे अपना वास्तविक रूप दिखाइये। तब चुलकाना धाम की पावन पवित्र भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने वीर बर्बरीक को अपने विराट स्वरूप के दर्शन कराये। विराट रूप देखकर वीर बर्बरीक ने प्रभु की खूब प्रंशसा की और शीश दान देने के लिए तैयार हुए, तभी भगवान ने कहा, आपकी कोई इच्छा हो

सैकड़ों वर्षों से चुलकाना धाम पर हर वर्ष फाल्गुन मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी व द्वादशी पर मेले का आयोजन होता है। इस मेले में लाखों श्रद्धालु श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम रूप में विद्यमान वीर बर्बरीक के दर्शन करने के लिए आते हैं। वर्तमान में प्रत्येक महीने एकादशी व द्वादशी को हरियाणा और इसके आस-पास के राज्यों से हजारों लोग श्री श्याम दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं।

तो मुझे बतायें। तब वीर बर्बरीक ने कहा, प्रभु शीश दान के बाद मैं युद्ध तो नहीं लड़ सकूँगा किन्तु युद्ध देखना चाहता हूँ। चुलकाना के स्थानीय लोगों के अनुसार वीर बर्बरीक के शीश का दान यहीं हुआ था। कहा जाता है, 'जहाँ दिया था शीश का दान, वो भूमि है चुलकाना धाम।' और महाभारत के युद्ध के बाद वीर बर्बरीक ने भगवान से श्याम रूप वरदान में माँगा था।

हालांकि महाभारत के आदि पर्व से लेकर स्कन्ध पुराण में वर्णित बर्बरीक उपाख्यान को देखने के बाद वीर बर्बरीक के बारे में जो तथ्यपरक जानकारी हमें प्राप्त होती है, वह लोक में प्रचलित मान्यताओं से कुछ अलग है। दूसरा इसी लोक मान्यता के इतर हरियाणा में ही कुछ और स्थान भी हैं जिनका संबंध वीर बर्बरीक यानी श्री श्याम से माना जाता है। चुलकाना में वीर बर्बरीक का श्री श्याम के रूप में प्राचीन मन्दिर स्थित है। इसके पास ही भव्य श्याम कुण्ड का निर्माण किया गया है। 'अखिल भारतीय वंशावली संरक्षण व संवर्धन संस्थान' और मंदिर में आराधना का दायित्व निभाने वाले परिवार के अनुसार महंत उधोदेव की परंपरा में संवत 1705 में कन्हैया दास चुलकाना आये। उन्होंने शंखनाद कर चुलकाना को अपना प्रार्थना स्थल बनाया तथा श्री श्याम जी की स्थापना की। आज भी कन्हैया दास के वंशज ही मंदिर में पूजा का कार्य संभालते हैं। हालांकि अब मंदिर की देख-रेख, व्यवस्था और प्रचार-प्रसार के लिए ग्रामीणों द्वारा 'श्री श्याम मंदिर सेवा समिति' की स्थापना भी की गयी है। विगत कुछ वर्षों में मंदिर का जीर्णोद्धार करके उसे विशाल और भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। चुलकाना एक ऐतिहासिक गांव है जहां हमें सालों पुरानी कुछ हवेली देखने को मिलती और अनेक प्राचीन मंदिर भी बने हैं। महर्षि चुनकट और बाबा लकीसर से सम्बंधित अलग मंदिर परिसर और सरोवर भी जन सामान्य के बीच आस्था का केंद्र हैं। ऐसा कहा

जाता है कि वर्षों पहले यमुना नदी का बहाव चुलकाना गांव के उक्त सरोवर तक था। हजारों लोगों की आस्था को सम्मान देते हुए वर्तमान राज्य सरकार ने इस धाम के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए तीर्थ स्थल बोर्ड के गठन करने की घोषणा की है। गांव के बाहर तोरणद्वार और सड़क के विस्तार का कार्य प्रगति पर है। सैकड़ों वर्षों से चुलकाना धाम पर हर वर्ष फाल्गुन मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी व द्वादशी पर मेले का आयोजन होता है। इस मेले में लाखों श्रद्धालु श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम रूप में विद्यमान वीर बर्बरीक के दर्शन करने के लिए आते हैं। वर्तमान में प्रत्येक महीने एकादशी व द्वादशी को हरियाणा और इसके आस-पास के राज्यों से हजारों लोग श्री श्याम दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं। जबकि श्री श्याम बाबा के फाल्गुन मेले में पूरे देश से भक्तजन आते हैं। चुलकाना और आसपास के गांवों के लोग कुल देवता के रूप में भी श्री श्याम की आराधना करते हैं। आज भी चुलकाना धाम में महाभारत कालीन पीपल का वृक्ष है। यहाँ आपके लिए यह जानना और रोचक होगा कि अब चुलकाना धाम पर प्रतिदिन आने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं के कारण स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। स्कन्ध पुराण के माहेश्वर खंड के द्वितीय उपखंड कौमारिका खंड के 66वें अध्याय के 115वें एवं 116वे श्लोक में श्री श्याम यानि वीर बर्बरीक की एक अलौकिक स्त्रोत्र से की गयी स्तुति का भावार्थ है कि 'हे विप्रगण! इस स्तोत्र द्वारा श्रावण मास में जो सुहृदय की पूजा करेगा और वैशाख कृष्णपक्ष की त्रयोदशी को सैकड़ों भरे हुए दीपक जलाकर उनका स्तवन करेगा, उस पर वे (सुहृदय) प्रसन्न होंगे।'

रागणी

डॉ. शील कुमार

ऑपरेशन सिन्दूर

आज्या नै तु नणदी के बीरा हो,
रहेगी अकेली तेरी नार।

मेरी गेल्यां ब्याह करवाकै,
बणा था जीवन साथी।
बीच भंवर मै छोड़ डिगरै ग्या,
रह्या ना कोए हमाती।
रहगी अकेली तेरी नार.....

पहलगाम मैं आए थे घूमणै,
घर तै कोशों दूर।
नाम पूछकै गोली मारी,
मिटा दिया सिंदूर।
सहगी अकेली तेरी नार.....

ओप्रेशन सिंदूर' चलाया,
आतंकी घबराए।
आतंकवाद की कमर तोड़ दी,
उनके घुटने टिकाए।
फहगी अकेली तेरी नार....

कोए भी नापाक हरकत,
भारत नै ना भायी।
शील पै जिसनै वार करआ,
उसने मुंह की खायी।
कहगी अकेली तेरी नार....

आज्या नै तु नणदी के बीरा हो,
रहेगी अकेली तेरी नार।

कविता

राजपाल सिंह गुलिया

पहलम आली बात नहीं सै

भोत बदलग्या गाम आज यो , पहलम आली बात नहीं सै ,
बणे फिरैं वे टेक गाम की , जिनकै जात जमात नहीं सै .

बात -बात म्हँ छोह म्हँ भर कै , ये ठा ल्यावैं हथियारां नै
दे राख्या नाकाँ म्हँ धुम्मा , इब गाम गैल दो च्यारां नै ,
दारू पी कै एक लाठी तैं , हाँकें सै देखो सारां नै .
खूड बेच कै आया विमकणा , इन टूटे ओड़ सितारां नै .
लाखां की ये बात करैंगे , दो आन्ने औकात नहीं सै .

कदे इसके अर कदे उसके , सभ के ठायां हाण्डै झंडे ,
झूठ -साँच के अपणावैं सैं , नित नए- नए ये हथकंडे .
योह जितैगा वो हारैगा , फेर फिरैं सैं सियासी पंडे .
दारू इनकी उतरै सै जिब , पड़ै पुलिस के इन पै डंडे .
बिना पिटे ये घर आए हों , आयी ईसी रात नहीं सै .

लिहाज शर्म का काम रह्या न , लोग नशे के गुलाम होग्ये ,
पड़े पावैं सैं ये गालां म्हँ , ये सभतैं भुंडे काम होग्ये .
कर्जा ले कै तुरत नाट ज्यौं , किस्से ये भी आम होग्ये .
आज सहर नै परे बठावैं , इसे कसूते गाम होग्ये .
बात करैं सैं वे बरसां की , जिन धोरै घड़ी स्यात नहीं सै .

गाँधी के सपनां के गाम की , इब ये ठेके स्थान बढ़ावैं ,
ताश खेलते सारा दिन ये , रोज साँझ नै रंग जमावैं .
भूल भटक ये कदे खेत म्हँ , भी ना चक्कर मारण जावै ,
याह धरती एक्वायर होज्या , इब ये सारे न्यूं ए चाहवैं .
राजपाल गुलिया भी करता , किसै एक की बात नहीं सै .

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक

दिल्ली सीमा पर अंग्रेजों के साथ स्वतंत्रता सेनानियों की चार माह में 32 बार भिड़ंत हुई, केवल चुनिंदा देशी शासकों ने अंग्रेजों का विरोध किया

मई माह में आरंभ हुआ था 1857 का स्वतंत्रता संग्राम

इतिहास

यशपाल गुलिया

विद्रोह व गदर के उप नामों से जाना जाने वाला सैन्य अभियान वास्तव में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम था। अंग्रेजों द्वारा भारतीय सैनिकों के साथ भेदभाव तथा चर्बी वाले कारतूस आदि विभिन्न कारणों से भारतीय सैनिकों में आक्रोश व्याप्त हो चुका था। यद्यपि अंग्रेज अधिकारियों के विरुद्ध विद्रोह का श्रीगणेश तो मंगल पांडे ने 29 मार्च 1857 को कर दिया था। परन्तु वास्तविक सैन्य विद्रोह मेरठ स्थित तीसरी कैवलरी के सैनिकों ने 10 मई 1857 से किया था।

मेरठ में अंग्रेज कमांडर जनरल हैविट ने 9 मई को 85 भारतीय सैनिकों को बन्दी बना डाला था। उससे वहां स्थित शेष सैनिकों में अत्याधिक आक्रोश हो गया और उन्होंने बगावत करके अंग्रेज अधिकारियों का वध करके सभी 85 सैनिकों को रिहा करवा लिया। फिर 10 मई की शाम को ही सभी विद्रोही सैनिक दिल्ली को कूच कर गए। अगले दिन उन सैनिकों ने दिल्ली पहुंचकर बहादुरशाह जफर को भारत का स्वतन्त्र बादशाह घोषित कर दिया तथा दिल्ली में अंग्रेजों का कत्लेआम कर डाला।

दिल्ली में स्थित 4-5 सैनिक बटालियन भी मेरठ वाली सैनिकों के साथ मिल गई। तब दिल्ली में रेजिडेन्ट कमिश्नर साइमन फ्रेजर था और सम्पूर्ण भारतीय सेना अध्यक्ष जॉर्ज ऐनसन था जो ग्रीष्मकालीन के लिए शिमला गया हुआ था। भारत का अंग्रेज गवर्नर जनरल लार्ड केनिग था जो कलकता रहता था। संग्राम के आरम्भ होने पर लार्ड केनिग ने ऐनसन को दिल्ली पर फिर

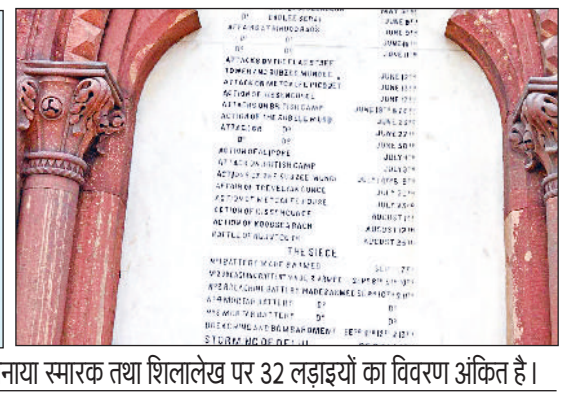

दिल्ली में बाड़ा हिन्दुराव पर अंग्रेजों द्वारा बनाया स्मारक तथा शिलालेख पर 32 लड़ाइयों का विवरण अंकित है।

से कब्जा करने बारे संदेश भेजा। तब तक दिल्ली में भारतीय स्वतन्त्रता सेनानियों की संख्या भी काफी हो चुकी थी। कारण यह कि बरेली, निमच, नसीराबाद, मथुरा, कानपुर आदि छावनियों से भी काफी संख्या में भारतीय सैनिक दिल्ली आने लग गए थे। परन्तु ज्यादातर भारतीय रजवाड़ों ने सेनानियों की सहायता नहीं की बल्कि पंजाब स्थित कुछ शासकों ने तो अंग्रेजों की खुलकर सहायता की थी जिनकी सहायता से अंग्रेज कमांडर ऐनसन अम्बाला में एक बड़ी सेना गठित करने में सफल हो गया था। वह सेना दिल्ली पर धावा बोलने के लिए करनाल के रास्ते 8 जून को समयपुर बादली पहुंच गई थी, लेकिन दिल्ली के अन्दर पड़ाव लगाए सेनानियों ने उस सेना से भीषण युद्ध करके वापस हटा दिया। अंग्रेजों की उस गठित सेना ने फिर दिल्ली के बाहर बाड़ा हिन्दुराव वाली रीज पर पड़ाव डाल लिया। यह 20 सितम्बर 1857 तक दिल्ली के अन्दर पहुंच ही नहीं सकी। मुख्य अंग्रेज कमांडर ऐनसन, फिर कमांडर ब्रनार्ड आदि की वहां मृत्यु हो गई थी। इसके बाद कमांडर मिस्टर रीड व आर्चडेल विलसन आदि ने पदभार सम्भाला और सेनानियों की कमांड बरेली के भक्तखां ने सम्भाल रखी थी। क्रान्तिकारियों को

अन्ततः अंग्रेज अपनी कूटनीति व समन्वय की वजह से 20 सितम्बर 1857 को दिल्ली पर अधिकार करने में सफल हो गए थे। स्वतन्त्रता संग्राम की भीषणता का आकलन उन द्वारा 1857 में दिए गए 182 विक्टोरिया क्रॉस की संख्या से लगाया जा सकता है, जो विश्वयुद्ध में दिए गए 182 विक्टोरिया क्रॉस की संख्या के बराबर थी।

बहादुरशाह जफर समय पर वेतन आदि नहीं दे पाया और देशी रजवाड़ों की निष्क्रियता के कारण उनका मनोबल सितम्बर माह तक गिरना आरम्भ हो गया था। रिज स्थित अंग्रेज सेना व क्रान्तिकारियों के मध्य दिल्ली के बाहर चार मास में 32 बार टकराव हुआ।

उस अवधि में 1450 अंग्रेज अधिकारी मारे गए थे तथा झांसी, लखनऊ व बिहार आदि में भी क्रांति ने व्यापक रूप ले लिया था। अन्ततः अंग्रेज अपनी कूटनीति व समन्वय की वजह से 20 सितम्बर 1857 को दिल्ली पर अधिकार करने में सफल हो गए थे। स्वतन्त्रता संग्राम की भीषणता का आकलन उन द्वारा 1857 में दिए गए 182 विक्टोरिया क्रॉस की संख्या से लगाया जा सकता है, जो विश्वयुद्ध में दिए गए 182 विक्टोरिया क्रॉस की संख्या के बराबर थी।

संस्कृति के संवर्धन में लोक कलाओं की खास भूमिका : सोनिया

कलाकार

ओ.पी. पाल

हरियाण की समृद्ध लोक संस्कृति के संवर्धन में जुटे लोक कलाकारों ने अपनी कला को नई दिशा देने का प्रयास ही नहीं किया, बल्कि हरियाणवी कला, संस्कृति और परंपराओं की देश-विदेशों तक अलख जगाई है। ऐसे ही कलाकारों में प्रतिभावान सोनिया अपने लोक नृत्य की कला को ऐसी धार देने में जुटी हैं, जिसमें उनका लोक नृत्य, केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि संस्कृति का वाहक बनकर धर्म, संस्कार और आत्म-चिंतन को जोड़ने का सबब बनता जा रहा है। लोक नृत्य के साथ वह भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की विधा में अपने कदम बढ़ा रही हैं।

युवा लोक कलाकार सोनिया ने अपनी लोक कला के सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें वह अपनी कला लोक परंपरा और शास्त्रीय साधना से एक ऐसा सांस्कृतिक पुल बनाया जा सकता है, जो नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जोड़कर समाज को सकारात्मक विचारधारा के साथ नई दिशा देने में सक्षम है। हरियाणा की प्रतिभाशाली कलाकार सोनिया का जन्म 24 सितंबर 2001 को यमुनानगर जिले के ससोली गाँव के एक मध्यमवर्गीय परिवार में सुरेंद्र कुमार और करनैलो देवी के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई सांस्कृतिक या कला का माहौल नहीं था। सोनिया की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही सरकारी स्कूल में हुई, उनके पिता कभी-कभी रिक्शा चलाकर भी परिवार का पालन पोषण करने का प्रयास करते थे, जबकि माता नगर पालिका में कच्ची कर्मचारी

के रूप में कार्यरत हैं। कोरोना काल में उनके पिता का निधन हो गया। तब वह गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, यमुनानगर में स्नातक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही मां ने बेटे के अभाव में भी घर में तीन बेटियों का आत्मबल कभी कम नहीं होने दिया और आर्थिक चुनौतियों के बीच धैर्य और एकजुटता से आगे बढ़ने की शक्ति दी। बकौल सोनिया उन्हें बचपन से ही नृत्य में अभिरुचि थी। जब भी कोई फिल्म देखती, तो उसके नृत्य को कॉपी करने की कोशिश करती और उसके संवादों की तरह अभिनय भी करती थी। कभी कमरे में अकेले, तो कभी किसी पारिवारिक आयोजन में जैसे ही संगीत बजता या कोई सीन मन को छूता, मेरा मन नृत्य और अभिनय की ओर खिंच जाता था। समय के साथ यह रुचि ही उनकी साधना बन गई और अब लोकनृत्य ही उसकी कला की पहचान बन चुकी है। गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज में शिक्षा के दौरान यूथ फेस्टिवल में उन्हें हरियाणवी लोक नृत्य के ग्रुप डांस में भाग लेने का अवसर मिला,जहां उनकी कला को मिली सराहना ने आत्मविश्वास को ऐसे बढ़ाया कि उनका मन पूरी तरह नृत्य में रच-बस गया। कॉलेज में ही उन्होंने हरियाणवी लोकनृत्य की बारीकियां सीखीं, जिसके बाद उन्होंने कई फिल्मों की शूटिंग के दौरान बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम करना शुरू किया। इसी दौरान उन्हें स्वर्गीय सिंगर राजू पंजाबी के साथ एक गाने में मुख्य भूमिका में भी काम करने का अवसर मिला। परिवार और समाज के कुछ लोग शुरू में रोक-टोक करते थे, पर उन्होंने हार नहीं मानी। जब उन्होंने हरियाणवी लोकनृत्य और भारतीय शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में कदम रखा, तब यह सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि आत्मा की पुकार थी।

युवा लोक नृत्य कलाकार सोनिया का कहना है कि हमारी लोक नृत्य, संगीत, और रंगमंच जैसी पारंपरिक कलाओं को कहीं न कहीं संघर्ष करना पड़ रहा है, जिसका कारण डिजिटल माध्यमों ने मंचों को स्क्रीन में बदल दिया है। हरियाणवी लोक नृत्य, रंगमंच और संगीत जैसे पाठ्यक्रमों को स्कूली स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार को लोक कला और नृत्य को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजनाएं बनानी चाहिए, ताकि कलाकारों को आर्थिक और सामाजिक सहायता मिल सके, जिससे वे अपनी कला को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर सकें।

हरियाणवी संस्कृति सर्वोपरि

सोनिया अपनी कला को केवल मंच की प्रस्तुति नहीं, बल्कि आत्मिक यात्रा मानती है। हरियाणवी लोक नृत्य में गांव की मिट्टी की सोंधी खुशबू, भाषा, लोकगीत, हंसी-मजाक और संघर्ष सब कुछ समाहित करते हुए हरियाणा संस्कृति को सर्वोपरि रखा है। अब सोनिया का झुकाव भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ओर भी है, जिसकी विद्या को पूरी श्रद्धा और लगन से सीख रही है, क्योंकि इसमें केवल ताल और गति नहीं, बल्कि गहराई से भाव, कथा और आत्मिक अनुशासन छिपा है। उनका कहना है कि अपनी कला में उनका लक्ष्य नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का है, ताकि समाज को सकारात्मक विचारधारा के साथ नई दिशा मिल सके और उनकी कला मनोरंजन नहीं, बल्कि संस्कृति का वाहक बनकर धर्म, संस्कार और आत्म-चिंतन से जुड़ सके।

खबर संक्षेप

घर से हजारों रुपये की नकदी और जेवरात चोरी

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के कलावती विहार स्थित मकान से हजारों रुपये की राशि व आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग में तैनात महिला कर्मचारी ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। कलावती विहार निवासी चटिया ने बताया कि वह स्वास्थ्य विभाग में कार्य करती है। वह सुबह ड्यूटी पर चली गई थी। बाद में उनके पति और बेटा भी बाहर चले गए थे।

कोचिंग सेंटर में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के राजेंद्र नगर में एक इमारत की चौथी और पांचवीं मंजिल पर स्थित कोचिंग सेंटर में रविवार को आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा की आठ गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि घटना से छात्रों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। आग सुबह 11.08 बजे ओल्ड राजेंद्र नगर के बड़ा बाजार रोड पर स्थित कोचिंग सेंटर में लगी थी। दमकल की आठ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और दोपहर 12:20 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिला है कि आग शॉर्ट सर्किट के चलते लगी थी। हालांकि पुलिस आग लगने की विस्तृत जांच कर रही है।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 80 से अधिक विदेश यात्राएं की। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में विफल रहे। यही वजह रही कि भारत- पाकिस्तान युद्ध के दौरान एक भी बड़ा देश भारत के साथ मजबूती से खड़ा दिखाई नहीं दिया। रविवार को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना भारत सरकार का सही फैसला है।

रंगदारी मांगने वाला कुख्यात अपराधी काबू

नई दिल्ली। पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ, एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड और मधु विहार थाने की पुलिस ने जबरन वसूली के मामले को कुछ ही घंटों में सुलझा लिया है। पकड़े गये आरोपी शख्स ने एक बुजुर्ग दुकानदार को धमकाकर 50 लाख रुपये की डिमांड की थी। आरोपी शख्स का नाम करतार भाटी बताया गया है। डीसीपी अभिषेक धानिया के अनुसार 17 मई को आईपी एक्सटेंशन निवासी रामकुमार (58) ने शिकायत दर्ज करवाई कि उनकी वेस्ट विनोद नगर में सिंगला इलेक्ट्रिकल्स के नाम से दुकान हैं। 11 मई को लगभग 6:50 बजे दो अज्ञात व्यक्ति उसकी दुकान में घुस आये। उस समय वह अपने दो बेटों के साथ मौजूद थे। उनमें से एक व्यक्ति ने खुद को करतार भाटी के रूप में पेश किया और दावा किया कि वह भूरे नामक व्यक्ति की हत्या का आरोपी है।

संगीत बजाने को लेकर युवक की हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली में एक कार्यक्रम में संगीत बजाने को लेकर हुए विवाद के दौरान एक युवक की चाकू से वार कर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम भीमसेन (18) बताया है। महेंद्र पार्क पुलिस ने कार्रवाई करते हुये चार नाबालिग पकड़े हैं। हमले में इस्तेमाल किया गया चाकू अभी बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार शनिवार को भदोला गांव में हुए हमले में भीम सेन घायल हो गया था। उसे दोस्त ने बाबू जगजीवन राम अस्पताल पहुंचाया था, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक कार्यक्रम में संगीत बजाने को लेकर सेन का कुछ लड़कों के साथ मामूली झगड़ा हुआ था।

घंटों तक बस का इंतजार करते रहे यात्री

गुरु गोरखनाथ प्रकट समारोह में 100 लॉरी भेजने से यात्री बेबस

बस अड्डे पर विभिन्न रूट पर जाने के लिए यात्रियों की भीड़ लगी रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। बस आने पर उसमें चढ़ते यात्री। फोटो :हरिभूमि

सोनीपत-खरखौदा सड़क मार्ग स्थित नई अनाज मंडी में आयोजित राज्य स्तरीय गुरु गोरखनाथ प्रकट समारोह को सफल बनाने के लिए रोडवेज विभाग की 100 लॉरी विभाग की तरफ से लगा रखी थी। कार्यक्रम में बसें जाने के कारण दैनिक यात्रियों को घंटों बस परिसर में बसों का इंतजार करने पर मजबूर होना पड़ा। यात्रियों को सबसे ज्यादा नारनौल, दिल्ली, हिसार व चण्डीगढ़ रूटों पर परेशानी का सामना करने पर मजबूर होना पड़ा। बता दें कि नई अनाज मंडी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को लेकर जिलेभर से 110 रोडवेज बसों का इंतजाम किया था। इनमें से 10 बसों को रिजर्व में रखा गया था। समारोह को लेकर हरियाणा रोडवेज की ओर से सोनीपत डिपो से 60 बसें व गोहाना सब डिपो से 40 बसों का प्रबंध किया गया है। रविवार को अवकाश होने की वजह से लोग अपने घरों से कम संख्या में निकले। चंडीगढ़ रूट पर बसों की संख्या कम होने की वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय बस अड्डे पर विभिन्न रूटों पर जाने के लिए यात्रियों की भीड़ लगी रही। बसों की कमी होने के चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रूटों पर चली बसों में यात्रियों की भीड़ देखने को मिली। बसों की कमी के चलते मिलने वाली बसों में महिला यात्रियों तक भीड़ होने के चलते खड़े होकर यात्रा करना पड़ा। वहीं कुछ यात्रियों को निजी वाहनों की मदद तक लेनी पड़ी।

प्रशासनिक आदेश

विभाग की तरफ से मिलने निर्देशों के अनुसार बसों को भेजा गया था। प्रशासनिक आदेशों की पालना करनी होती है। बसों की किल्लत के चलते यात्रियों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। देर शाम को बसें रूटों पर लौट चुकी थी। विभाग की तरफ से यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरी कदम उठाने का कार्य समय पर किया जाता है। *संजय कुमार, महाप्रबंधक रोडवेज सोनीपत।*

सोनीपत। बस के इंतजार में बैठे यात्री। फोटो :हरिभूमि

स्वामी चेतन स्कूल का 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

- स्कूल की छात्रा रजनी 470/500 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

स्वामी चेतना स्कूल का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा है । विद्यालय की प्रधानाचार्य डिंपल शर्मा ने बताया कि स्कूल की छात्रा रजनी ने 470/500 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, रोहित ने 460/500 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा तनुष्का ने 456/500 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य डिंपल शर्मा ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों में से 16 विद्यार्थिगों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया। परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। परिणाम के उपलक्ष्य में प्रबंधक राजकुमार उपप्रधानाचार्य संयोगिता शर्मा ने शिक्षको, बच्चों, अभिभावकों को बधाई दी।

खरखौदा। बैठक में उपस्थित विभिन्न गांवों के प्रतिनिधि।

संघर्ष समिति 20 से पुनः चलाएगी जनसंपर्क अभियान

खरखौदा। लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में पिरथी पंवार की अध्यक्षता में खरखौदा संघर्ष कमेटी की मीटिंग हुई। सोमवार से फिर गांव- गांव जाकर कमेटी जनसंपर्क अभियान चलाएगी, ताकि खरखौदा को गोहाना में शामिल किए जाने से रोका जा सके। भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति होने पर गांव गांव जाकर जनसंपर्क किए जाने वाला अभियान रोक दिया गया था। अब जनसंपर्क के पहले चरण में निम्न गांवों में 20 मई को ग्राम पंचायत सिसाना- 1व सिसाना- 2, 21 मई को खांडा व चोलका, 22 मई को रोहणा व बरोना, 23 मई को निरथान व नकलोई, 24 मई को गोपालपुर व सोहटी तथा 25 मई को फिरोजपुर व जटौला गांव जनसंपर्क किया जाएगा। हंसराज राणा, मास्टर राजेंद्र सिंह खांडा मौजूद रहे।

बीएम दयानन्द मॉडर्न का परिणाम शत-प्रतिशत

सोनीपत। आर्य समाज मॉडल टाऊन सोनीपत के अन्तर्गत संचालित बीएम दयानन्द मॉडर्न हाई स्कूल की दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। जिसमें 12 विद्यार्थियों की मैरिट सहित 19 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है। गरिमा ने 500 में से 473 अंक प्राप्त कर के प्रथम स्थान, मानसी ने 461 अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान तथा युक्ता ने 454 अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय प्रधानाचार्या गीता सहगल सहित रेणु रेहलन, सरला, पूनम अरोड़ा, तनिषा, उपासना और सलोनी अध्यापिकाओं का विशेष सहयोग रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर खरखौदा में निकाली तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते विधायक एवं यात्रा में शामिल जनसमूह।

रविवार शाम को भाजपा कार्यालय रोहतक रोड से परशुराम पार्क तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। विधायक पवन खरखौदा के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या लोगों ने भाग लिया। भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से माहौल देशभक्ति से गुंजायमान हो उठा। यात्रा के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे सैनिकों के साहस, अनुशासन और निष्ठा का प्रतीक है। यह अभियान सिर्फ सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा की गरिमा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ जो कड़ा रुख अपनाया है, उससे पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत को पहचाना है। तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चों के अलावा कई प्रमुख लोग भी शामिल रहे, जिनमें जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया, ब्लॉक चेयरमैन सतेंद्र, नपा चेयरमैन हीरालाल इंदौरा आदि मौजूद रहे।

मोबाइल छीनने के दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने युवक का रास्ता रोक फोन छीनने की वारदत में शामिल दो आरोपितों सहित नाबालिग को गिरफ्तार किया है। आरोपित हर्ष, कुनाल निवासी जठेड़ी सहित नाबालिग शामिल है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं नाबालिग को जमानत पर रिहा कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिवकोपूरावा प्रतापगढ़ हाल में प्याऊ मनियारी निवासी प्रदीप ने गत 17 मई को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह मास्टर पैकिंग राई में ऑप्रेटर की नौकरी करता है। गत 16 मई को कंपनी से छुट्टी होने के बाद अपने घर पर जा रहा था। रास्ते में वाइन शॉप के पास बीयर पीने के लिए रूक गया। उसके बाद तीन युवक उसके पास बाइक पर पहुंचे। उन्होंने उसका रास्ता रोककर हमला कर दिया। उसके बाद फोन उठाकर भागने लगा। जीटी रोड पर चढ़ते समय उनकी बाइक फिसल गई।

प्रिंसी का 98.4 % अंक प्राप्त करने पर सरपंच-शिक्षकों ने किया स्वागत

- गांव के सरपंच प्रमोद ने मेधावी छात्रा व स्कूल स्टाफ को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। स्कूल प्राचार्य, गांव के सरपंच प्रमोद ढाका मेधावी छात्रों का स्वागत करते हुए।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में राजकीय वमावि सनपेड़ा का परिणाम सराहनीय रहा। स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा प्रिंसी ने 98.4% अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल कर कीर्तिमान स्थापित किया। स्कूल के पूर्व प्राचार्य डॉ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रिंसी सातवीं क्लास से मेहनत कर रही है। स्कूल के प्रधानाचार्य सुशील राठी ने प्रिंसी को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई व आशीर्वाद दिया। राठी ने बताया कि स्कूल का 12वीं व 10 वीं दोनों कक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है।

दसवीं में 30 बच्चों ने परीक्षा दी उसमें से15 छात्र मेरिट के साथ उतीर्ण हुए तथा 12वीं में 37 बच्चों बच्चों ने परीक्षा दी जिसमें से18 बच्चे मेरिट के साथ पास हुए। गांव के सरपंच प्रमोद ढाका ने बेहतर परिणाम आने पर स्कूल के प्रधानाचार्य व शिक्षकों को बधाई दी। वहीं बेहतर अंक प्राप्त करने वाली छात्रा प्रिंसी ने बताया कि उसका सपना प्रशासनिक सेवा में जाकर देश की सेवा करना है । उनके पिता किसान है। छात्रा ने बताया कि मेहनत करने वाले छात्रों को जीवन में जरुर सफलता मिलती है यह उनकी मेहनत का परिणाम है।

सियानंद त्यागी गन्नौर हलका जजपा अध्यक्ष बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की कड़ी में गन्नौर से पार्टी के वरिष्ठ नेता सियानंद त्यागी को गन्नौर हल्के का अध्यक्ष नियुक्त किया है। त्यागी की नियुक्ति पर गन्नौर हल्के में पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है । सियानंद त्यागी ने भी अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया है । त्यागी ने कहा कि पार्टी द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है वे उसका जिम्मेदारी से निर्वहन करते हुए लोगों को पार्टी में शामिल करने का काम करेंगे और पार्टी की नीतियों का गांव गांव जाकर प्रचार करेंगे। पार्टी ने अपने समर्पित सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी है। वे संगठन को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर काम करेंगे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र सम्मानित

- 10वीं और 12वीं में नालंदा इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी अपने गुरुजनों क साथ।

सीबीएसई कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं की परीक्षाओं में गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। चेयरमैन उमेद सिंह मलिक और एमडी रीना मलिक ने छात्रों को आशीर्वाद देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य सुभाष चन्द्र के अनुसार 10वीं की परीक्षा में अग्र्या जैन ने 96.4%, अनंत जैन ने 95.8 %, दीक्षा गर्ग ने व आदित्य वशिष्ठ ने 95.2 %, यशस्वी मलिक ने 94.2 %, नेहा ने 94 %, यशिका व सायना ने 93.8 %, लक्ष्य लाठर व आर्यन ने 92.2 %, उत्सव ने 92.6 %, नुपुर जैन ने 92.4 %, अंशिका सिंह ने 92 %, अल्पेश ने 91.8 %, वीर ने 91.6 %, आरव ने 91.4 %, युविका, सिया, नमन व अभिनव ने 91 % और आस्तिक पौडिया ने 90.2 % अंक प्राप्त किए। परीक्षा में 75 में से 29 विद्यार्थियों ने 90 % से अधिक अंक हासिल किए। 12वीं की परीक्षा में मेडिकल संकाय में वंशिका मलिक ने 95.8 %, आयुष अग्रवाल ने 94.6 %, वाणिज्य संकाय में मुकुंद कालरा ने 94.8 %, अनंत जैन ने 91.2 %, नॉन मेडिकल संकाय में हिमांशु कुंडू ने 92.2 प्रतिशत और सक्षम मोर ने 91.2 प्रतिशत अंक लिए है।

खरखौदा। रक्तदान करते रक्तवीर व हौसला बढ़ाते आयोजक।

कैंप में 51 लोगों ने किया रक्तदान

खरखौदा। भारतीय सेना के सम्मान में यूथ क्लब एवं आठगामा के संयुक्त तत्वावधान में फरमाणा में रक्तदान व नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 51 रक्तदाताओं ने अर्ध शतक से एक युनिट अधिक रक्तदान किया। कर्मयोगी वेलफेयर सोसायटी की तरफ से रक्तदाताओं को पिलाया गया। विधायक पवन खरखौदा ने बतौर मुख्य अतिथि तथा धन्मल फौजी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिविर में शिरकत की। शिविर के विधिवत शुभारंभ से पहले यज्ञ किया गया। इसके अतिरिक्त पहलगाम आतंकी हमले मारे व्यक्तियों को श्रद्धांजलि दी। राजे सेवक, नवीन जांगड़ा, सुबेदार तकदीर, जयदीप गहलावत, दयानंद गहलावत, बाबा कमलदास, जगबीरदास, जग्गी सरपंच, सतीश,आशु व राजबीर आदि ने शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया।

समाज कल्याण संगठन ने नई सब्जीमंडी में नीम -जामुन व पापड़ी के सौलह पौधे रोपे

- संगठन ने पुराने पौधों की निराई गुड़ाई करके टैंकर से पानी दिया

हरिभूमि न्यूज . गोहाना

समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को सोनीपत रोड स्थित नई सब्जीमंडी के परिसर में पौधारोपण किया। संगठन द्वारा पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई करके टैंकर से पानी भी डाला गया। संगठन ने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है। इसके लिए संगठन द्वारा पिछले करीब डेढ़ दशक से पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में शहर में सडक़ों के किनारे खाली जगह और सार्वजनिक स्थलों पर पौधे रोपे जाते हैं। संगठन ने नई सब्जीमंडी में अर्जुन, नीम, जामुन और पापड़ी के 16 पौधे रोपे। पौधारोपण में संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा के साथ मनोज,पवन, बलजीत , अभिमन्यु शर्मा, हरीश पांचाल, डॉ. बिजेंद्र और प्रवीण कश्यप ने अपनी सेवाएं दी। अध्यक्ष आनंद जांगड़ा के अनुसार संगठन द्वारा सब्जीमंडी में चारों ओर पौधे लगाए गए हैं। काफी पौधे बड़े पेड़ बन चुके हैं और छाया देने लगे हैं। प्रशासन द्वारा सोनीपत रोड पर सब्जीमंडी के मुख्य द्वार के सामने नाले का निर्माण करवाया जा रहा है।

शिक्षण संस्थानों में संस्कृति के पतन वाली हर एक चीज का होगा विरोध

- विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इकट्ठा होकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी।

सोनीपत समाज पंचायत के तहत सोनीपत की सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने स्थानीय विश्राम गृह सुभाष चौक सोनीपत में इकठ्ठे हो विरोध जताया। सोनीपत समाज पंचायत के संयोजक संजय सिंगला ने कहा कि सोनीपत शिक्षा के क्षेत्र में एक हब बनता जा रहा है और यहां बड़ी बड़ी यूनिवर्सिटी भी आ रही है लेकिन आए दिन सामाजिक पतन की जानकारी मिल रही है। एक निजी यूनिवर्सिटी में महिला आयोग की चेयरपर्सन द्वारा दिए गए ब्यानों के मामले में प्रशासन को तह में जाकर असलियत का पता लगाना चाहिये, दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। इस तरह के आदेश जारी करने चाहिए कि आधुनिकता के नाम पर अपनी भारत की संस्कृति को चोट पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगानी चाहिए, अगर इस घटना के दोषियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं हुई तो सभी सामाजिक संस्थाएं इसके खिलाफ एक आंदोलन चलाने पर मजबूर होगी।

वट सावित्री व्रत 26 को : सुहागिनें मांगेंगी पति की लंबी उम्र की कामना

इस दिन वट (बरगद) वृक्ष की पूजा का होता विशेष महत्व : आचार्य मनमोहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हिंदू धर्म में पति की दीर्घायु और सुख-समृद्ध दांपत्य जीवन के लिए व्रत रखने की परंपरा सदियों पुरानी है। इसी कड़ी में सुहागिनों का प्रमुख पर्व वट सावित्री व्रत इस वर्ष सोमवार, 26 मई को मनाया जाएगा। यह व्रत ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को रखा जाता है और इस दिन वट (बरगद) वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व होता है।

व्रत स्त्री के प्रेम, तप और निष्ठा का प्रतीक

पूजन के दौरान महिलाएं संपूर्ण विधि-विधान के साथ संकल्प लेकर व्रत करती हैं और पति की दीर्घायु, सुख, समृद्धि और संतान-सौभाग्य की कामना करती हैं। इस दिन व्रत करने से सौभाग्य अक्षुण्ण बना रहता है, ऐसा शास्त्रों में वर्णित है। वट सावित्री व्रत न केवल एक धार्मिक परंपरा है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति में स्त्री के प्रेम, तप और निष्ठा का प्रतीक भी माना जाता है।

वट सावित्री व्रत का महत्व

आचार्य मनमोहन मिश्रा के अनुसार, इस बार अमावस्या तिथि का आरंभ 26 मई को दोपहर 12:11 बजे से होगा, जो कि 27 मई की सुबह 8:31 बजे तक रहेगी। अतः व्रत एवं पूजा का उत्तम समय 26 मई को रहेगा। व्रत के दिन महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर वट वृक्ष की पूजा करती हैं, उसके तने पर कच्चा सूत लपेटती हैं और सावित्री-सत्यवान की पौराणिक कथा का श्रवण करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि सावित्री ने कठिन तप से यमराज को प्रसन्न कर अपने पति सत्यवान को मृत्यु से वापस लौटा लिया था, और यह तपस्या वट वृक्ष के नीचे की गई थी। तभी से वट वृक्ष की पूजा इस व्रत का अनिवार्य अंग बन गई है।

प्रोफेसर की गिरफ्तारी अलोकतांत्रिक : किशोर

- इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी को भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा के संयोजक विमल किशोर ने अलोकतांत्रिक और तानाशाही पूर्ण करार दिया है। विमल किशोर ने बताया कि प्रोफेसर अली खान ने अपने फेसबुक पोस्ट में भारत द्वारा लिये गये एक्शन को रणनीतिक तौर पर बहुत सही कदम बताया है। सोफिया कुरैशी के आगे आने को भी प्रोफेसर खान बहुत सही माना है और इसको एक उम्मीद की तरह लिया है, लेकिन प्रोफेसर अली खान ने देश में हिंदू मुस्लिम के खिलाफ फैलाई जा रही नफरत को लेकर यह कहा कि शायद अब देश में मुस्लिमों के साथ भेदभाव नहीं होगा। बस यही बात सरकार को खटक गई और इसी अंतिम बात को टारगेट करके प्रोफेसर खान को देशद्रोही कहा जा रहा है। हमारा मानना है कि यह देशद्रोह नहीं देशभक्ति है। उन्होंने मांग उठाई कि इस प्रकार की घटनाओं पर शिखर अंकुश लगाया जाए भाईचारे को ना बिगाड़ा जाए।

खबर संक्षेप

बस में महिला के गले से सोने की चेन चोरी

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र में बस में सफर कर रही महिला की सोने की चेन व रुपये चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़िता ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सरस्वती विहार निवासी रोहित ने बताया कि उसकी पत्नी अपनी बहन और बच्चे के साथ बस में दिल्ली जा रही। उनके पास ट्रेवल बैग था। बस में भीड़ होने के चलते एक व्यक्ति ने मदद के बहाने से उनका ट्रेवल बैग लेकर पीछे रख दिया। थोड़ी देर बाद जब उनकी पत्नी ने बैग वापस मांगा तो व्यक्ति बहालगढ़ पुल के पास जल्दी से उतर गया। उनकी पत्नी ने बैग चेक किया तो उसके अंदर रखा पर्स गायब मिला। पर्स में दो तोले सोने की चेन और चार हजार रुपये थे। शक है कि व्यक्ति के मदद के बहाने बैग पीछे रखवा कर पर्स चोरी किया है। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। जांच अधिकारी जयभगवान ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

शिक्षा निदेशालय पर पंचकूला में 5 जून को होगा प्रदर्शन

परीक्षाओं के परिणाम को लेकर शिक्षकों की वेतन कटौती गलत

राजकीय विद्यालय गोहाना में अध्यापक संघ की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। बैठक को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता।

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की बैठक रविवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना में सम्पन्न हुई। बैठक में संघ द्वारा 5 जून को पंचकूला स्थित शिक्षा निदेशालय में राज्यस्तरीय प्रदर्शन की नई तारीख की घोषणा की गई। पहले यह प्रदर्शन 12 मई को होना था। देश में आपात स्थिति के चलते इसके समय में बदलाव किया गया है।

मुख्य वक्ता राज्य कमेटी के उप महासचिव कृष्ण नैन ने कहा कि परीक्षाओं के कम परिणाम वाले राजकीय विद्यालय के शिक्षकों के वेतन में कटौती करना अनुचित है जिसका घोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या उसने कभी जांच की है कि राजकीय विद्यालयों में पर्याप्त स्टाफ, विषय विशेषज्ञ और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं या नहीं। संघ प्रतिनिधि जोगेन्द्र ने कहा कि कम संसाधन और कम स्टाफ के बावजूद भी राजकीय विद्यालय प्राइवेट विद्यालयों से अच्छा परिणाम दे रहे हैं। कर्मचारी नेता सुरेश यादव ने कहा कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को भी 9 जुलाई तक स्थगित कर दिया गया है। बैठक की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष नरेंद्र चहल ने की। बैठक में राममेहर, राजेश, आनंद अनिल, संतराम, कप्तान, नवीन कुमार, सुभाष चंद्र, सुरेंद्र पाल, रामप्रसाद, दिलबाग सिंह, सुरेश यादव, दिनेश सिंह, सुनील, रोहतास चहल, जय भगवान, राजेश, सुरेंद्र कुमार, कृष्ण, सुनील लाठर, रविंद्र व ऋषिकेश आदि मौजूद रहे।

9 वर्षों से शिक्षकों के तबादले नहीं

जिला सचिव दिनेश छिक्कारा व कोषाध्यक्ष रोहताश गंगाना ने कहा कि सरकार ने 9 वर्षों से जेबीटी शिक्षकों के तबादले नहीं किए। हजारों एसीपी केस निदेशालय स्तर पर लंबित हैं। जेबीटी व टीजीटी के गलत नियम बनाकर एसीपी रोके जा रहें हैं। शिक्षकों को मेडिकल क्लेम नहीं दिए जा रहें हैं। कौशल रोजगार निगम के शिक्षकों को बाहर करने की तैयारी चल रही है। रोहताश गंगाना ने कहा कि शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य लेना बंद किया जाए। महिलाओं की छुट्टियों को 20 से बढ़ाकर 25 दिन किया जाए। पहली कक्षा में दाखिले की न्यूनतम आयु बढ़ाने का निर्णय रद किया जाए। 18 माह का बकाया डीए व एरियर शीघ्र जारी किया जाए। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए। ईपीएफ 95 के पेंशनरों को ओपीएस का लाभ दिया जाए।

सैट परीक्षा के लिए विद्यालयों को नहीं किया बजट जारी : नरेंद्र चहल

- अध्यापक संघ ने बजट जारी करने और गैर जरूरी प्रशिक्षण पर बंद करने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। विद्यालयों को बजट जारी करने व गैर जरूरी प्रशिक्षण बंद करने की मांग करते हुए संघ पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

कक्षा छठी से कक्षा 12वीं तक सैट परीक्षाओं के लिए शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों को बजट जारी नहीं किया गया। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने सरकार से विद्यालयों को बजट मुहैया करवाने की मांग की है।

संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र चहल ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा गत 21 नवंबर को कक्षा छठी से कक्षा 12वीं तक सैट परीक्षा की डेटशीट जारी की गई थी। डेटशीट में 14 दिसंबर दूसरे शनिवार और 15 दिसंबर रविवार को भी पेपर दर्शाए गए थे। डेटशीट जारी करने के बाद गलती का आभास होते ही आनन-फानन में इसे रद करते हुए अगले दिन नए सिरे से डेटशीट जारी की गई। उसके बाद 2 दिसंबर को विद्यालय मुखियाओं को ही अपने स्तर पर सैट की परीक्षा लेने का फरमान जारी कर दिया गया जबकि इसके लिए किसी भी विद्यालय को कोई बजट जारी नहीं किया गया। जिला लेखा परीक्षक राजेंद्र वैद्य और जिला कोषाध्यक्ष रोहतास गंगाना के अनुसार शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र के बीच में गैर जरूरी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है। शिक्षा विभाग विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर कोई भी प्रशिक्षण शैड्यूल जारी करे।

महावीर चक्र विजेता स्व. छोटूराम श्योराण को नमन

गोहाना। मिलिट्री क्रॉस महावीर चक्र विजेता स्व. सूबेदार छोटूराम श्योराण की 113वीं जयंती पर गांव आहुलाना में हवन किया गया। ग्रामीणों ने हवन में आहुतियां डालकर सूबेदार छोटूराम श्योराण को श्रद्धांजलि दी।

स्व. सूबेदार छोटूराम श्योराण के पौत्र मोहित श्योराण के अनुसार उनके परदादा सूबेदार छोटूराम श्योराण जीवित रहते हुए द्वितीय विश्व युद्ध में उस दौरान संयुक्त पंजाब के मिलिट्री क्रॉस महावीर चक्र विजेता प्रथम व्यक्ति थे। तब पुराना रोहतक जिला और तहसील गोहाना के वे एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिनको सेना द्वारा मिलिट्री क्रॉस महावीर चक्र प्रदान किया गया था। मोहित श्योराण ने बताया कि उनके परदादा ने 1200 घंटे तक लड़ाई लड़ी थी। लड़ाई में घायल होने के बाद भी वे वीरता से लड़ते रहे और अपनी टुकड़ी के सैनिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का काम किया।

रक्तदान किसी जरूरतमंद को देता है जीवन का दूसरा मौका : कादियान

- रक्तदान शिविर में 55 लोगों ने किया खून देकर कमाया पूण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादयान रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए साथ में जीवीएम स्कूल निदेशक अनु मित्तल ।

भारत विकास परिषद वीर सावरकर शाखा ने रविवार को जीवीएम स्कूल गढ़ी केसरी में रक्तदान शिविर लगाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष मंजू शर्मा ने की। शिविर की शुरुआत भारत माता के चित्र के सामने दीप जलाकर की गई। मुख्य अतिथि के रूप में हलका विधायक देवेंद्र कादयान मौजूद रहे। शिविर में भारत विकास परिषद के जिला संयोजक योगेश जैन और पूर्व क्षेत्रीय मंत्री प्रवीण सिंघल भी शामिल हुए। प्रवीण सिंघल ने लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर में 65 लोगों की रक्त जांच हुई। इनमें से 55 लोगों ने रक्तदान किया। विधायक कादयान ने रक्तदाताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को जीवन का दूसरा मौका देता है। शिविर में शाखा संरक्षक डॉ. जोगिंदर शर्मा, मोहन शर्मा, भारत भूषण भूटानी, सचिन प्रीतम लाल आहूजा, कोषाध्यक्ष पूनम सिंघल, अनु मित्तल, सुबोध कुमार सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

गुरुग्राम हाफ मैराथन में वंशिका ने पाया तीसरा स्थान

खरखौदा। हाफ मैराथन के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि।

- प्रतियोगिता में 210 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मटिंडू की छात्रा वंशिका पुत्री विनोद खुर्मपुर ने गुरुग्राम हाफ मैराथन के छठवें संस्करण में 5 किलोमीटर की दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। विनोद कुमार ने बताया कि 9 वर्षीय वंशिका ने 29 मिनट 17 सेकंड में 5 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर 8 से 18 आयु वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। ग्यारह मई को गुरुग्राम के सेक्टर 58 में आयोजित हाफ मैराथन के विजेता धावकों को मुख्य अतिथि विजय गोयल ने रविवार 18 मई को सर्टिफिकेट व शील्ड देकर सम्मानित किया। बताया गया है कि वर्णित स्पर्धा में 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़ रखी गई थी। जिसमें 210 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों में 72 महिला शामिल थीं। वंशिका ने महिला प्रतिभागियों में चौथा तथा 8 से 18 आयु वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दसवीं में सर्वाधिक अंक लेकर श्रुति लखीराम स्कूल में रही प्रथम

खरखौदा। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने वाले विद्यार्थी एवं शिक्षक।

- यशिका ने द्वितीय और वंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 10 वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम के अनुसार लखीराम मैमोरियल सैकेंडरी स्कूल, हलालपुर का प्रदर्शन शानदार रहा और आशा के अनुरूप विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। कुल 57 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और सभी ने सफलता प्राप्त की। इस बार 14 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक, 33 ने मेरिट प्राप्त कर विद्यालय, अभिभावकों और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। श्रुति पुत्री रामनिवास, हलालपुर 96.4% ने प्रथम, यशिका पुत्री राकेश, नाहरी 95.6% ने द्वितीय, वंशिका पुत्री बिजेन्द्र दहिया, हलालपुर 94.4% व दक्ष पुत्र दीपक, नाहरी 94.4% ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

छात्रा श्रुति

विद्यालय प्रबंधन, अध्यापक वर्ग एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। प्रधानाचार्य संजय कुमार ने कहा, हमारे विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

समाज के विकास के लिए महापुरुषों के पदचिह्नों पर चलें

गोहाना। महर्षि कश्यप की याद में शोभा यात्रा निकालते हुए नागरिक।

गोहाना। गोहाना में रविवार को महर्षि कश्यप को उनकी जयंती पर याद किया गया। जयंती समारोह पानीपत बाइपास स्थित महर्षि कश्यप चौक में आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने महर्षि कश्यप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

मुख्य अतिथि नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी और उनके प्रति इंद्रजीत उर्फ राजू विरमानी रहे। चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि हमारे महापुरुष हमारे समाज का आधार हैं। समाज के विकास के लिए महापुरुषों के पदचिह्नों पर आगे बढ़ें। अध्यक्षता एडवोकेट सुनीता कश्यप ने की। मंच का संचालन सूरजभान ने किया। श्रद्धांजलि समारोह में बलजीत माटोरिया, वीरभान आर्य, दयालचंद, चंद, राजेश कश्यप, सुनील कश्यप, सुरेश, कुलदीप सिंह और वीरेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जांच विधायक ने सरढ़ाना रजवाया (हेड) का किया निरीक्षण, सिलट चैंबर बनाने के निर्देश

सरढ़ाना हेड के स्थानांतरण के बाद से बनी सिल्ट की समस्या अब होगी दूर: कादियान

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ सरढ़ाना रजवाया का निरीक्षण करते हुए ।

- सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समस्याओं पर की चर्चा
- शिकायतों के चलते मौके पर जाकर की जांच पड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

पानी की समस्या को लेकर रविवार को हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ सरढ़ाना रजवाया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रजवाया हेड से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। अधिकारियों को सिलट की समस्या दूर करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। सिलट चैंबर बनाने के निर्देश भी मौके पर दिए गए। इस दौरान विभाग के एक्सईएन आशीष कौशिक, एसडीओ हिमांशु और पानीपत के एक्सईएन सुरेश कुमार, गोहाना के एक्सईएन पुनीत साहनी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि जब सीएलसी नहर दिल्ली को पानी देने के लिए बनाई गई थी, तब सरढ़ाना हेड को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया था। इसी वजह से नहर में सिल्ट की समस्या बनी हुई है। लेकिन इसका समाधान किया जाएगा। विधायक कादियान ने बताया कि सरढ़ाना नहर से पानी को लेकर शिकायतें उन्हें मिली थीं। इसी के चलते उन्होंने खुद मौके पर जाकर स्थिति देखी। उन्होंने कहा कि हेड के स्थानांतरण के बाद से सिलट की समस्या लगातार बनी हुई है। अधिकारियों को इसे जल्द ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं।